सिविल इंजीनियरिंग विभाग

सिविल इंजीनियरिंग विभाग, मेन लाइनों, स्टेशन यार्डों, साइडिंगों आदि में बिछे रेलपथ के अनुरक्षण, पुलों की देख-रेख तथा उनकी पुनर्स्थापना / पुनःनिर्माण करना, समपारों का अनुरक्षण, रेलवे स्टेशन की बिल्डिंग, सभी प्रकार के भवनों, कालोनियों / आवासों, कारखानों, रेलवे अस्पतालों के अनुरक्षण से सम्बंधित सभी कार्यों / सुविधायों के सृजन के लिए उत्तरदायी है. इसके अतरिक्त मशीनों का उपयोग कर सुद्रढ़ तरीके से रेलपथ अनुरक्षण करना, अनुरक्षण को यांत्रिकृत करना व योजनाबद्ध तरीके से रेलपथ नवीनीकरण करना भी सिविल इंजीनियरिंग के उत्तरदायित्व का एक महत्वपूर्ण भाग है. व्यस्त समपारों को सड़क उपयोगकर्ताओं की संरक्षा हेतु उत्तरोत्तर ऊपरी / निचले सड़क पुलों में बदलने का कार्य, ऊपरी पुलों का सम्बंधित राज्य सरकार / स्थानीय प्राधिकारियों के साथ लागत में भागीदारी के आधार पर निर्माण कार्य भी सिविल इंजीनियरिंग द्वारा किया जाता है.

रेलवे भूमि प्रबंधन, रेलवे भूमि का वाणिज्यिक उपयोग, वृक्षारोपण कर पर्यावरण बचाना व भूमि अतिक्रमण रोकना आदि सिविल इंजीनियरिंग विभाग के कार्यक्षेत्र में शामिल है.

आवासीय क्वार्टर, अस्पताल, शेड, कार्यशाला परिसर, मालगोदामों में जल आपूर्ति तथा सैनिटरी से सम्बंधित सिविल कार्य की संरचना तथा उनका अनुरक्षण भी सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा निष्पादित किया जाता है.

सिविल इंजीनियरिंग (ओपन लाइन) के अनुरक्षण से सम्बंधित विभाग के शीर्ष स्तर पर प्रमुख मुख्य इंजीनियर हैं. प्रमुख मुख्य इंजीनियर की सहायता प्रधान कार्यालय में नियुक्त मुख्य इंजीनियर करते हैं, इनकी सहायता प्रधान कार्यालय में नियुक्त उप-मुख्य इंजीनियर, अधीनस्थ इंजीनियर तथा सहायक इंजीनियर करते है.

प्रमुख मुख्य इंजीनियर, पश्चिम मध्य रेल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) भी हैं. इनकी सहायता प्रधान कार्यालय में नियुक्त मुख्य इंजीनियर(निर्माण) करते हैं. सिविल इंजीनियरिंग की निर्माण विभाग के कार्यक्षेत्र में नई रेल लाईन बिछाना, इस हेतु सर्वे करना, रेलपथ दोहरीकरण, तिहरीकरण करना, नए रेलवे स्टेशन बनाना, बड़े ऊपरी पुलों का निर्माण करना आदि शामिल है.

जैसा विदित है, पश्चिम मध्य रेल के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत जबलपुर मंडल, भोपाल मंडल व कोटा मंडल आते हैं. सिविल इंजीनियरिंग कैडर के सभी अधिकारी / सुपरवाइजर, प्रमुख मुख्य इंजीनियर के तकनीकी नियंत्रण में कार्य करते हैं.

अधिक जानकारी के लिए कृपया इंजीनियरिंग विभाग के इस ई-मेल पर संपर्क करें :- pce@wcr.railnet.gov.in

संक्षिप्त विवरण

इंजीनियरिंग विभाग मूलतः रेलपथ के अनुरक्षण व नवीनीकरण के लिए उत्तरदायी है. इंजीनियरिंग संसाधन (अस्सेट्स) निम्न प्रकार है:-

i) 4694.18 चालित ट्रैक कि.मी. जो कि मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश व राजस्थान में फैला हुआ है.

ii) भूमि संपदा : 23255.51 हेक्टर, जिसमें 83% ट्रैक व संरचना के उपयोग में, 13% वृक्षारोपण के उपयोग में तथा लगभग 3% भूमि खाली पड़ी है.

iii) पुल

1) कुल पुलों की संख्या = 6059.
2) बड़े पुलों की संख्या = 413.
3) छोटे पुलों की संख्या = 5429.
4) महत्वपूर्ण पुलों की संख्या = 217.
5) उपरी पुलों (आर.ओ.बी.) की संख्या = 17.
6) सुरंगों की संख्या = 7.

iv) ट्रैक मशीन की संख्या = 43.

v) वे- ब्रिज की संख्या = 20.

vi) कार्यरत WILD की संख्या = 3.

vii) स्टाफ़ क्वाटर्स संख्या : 27644. आवासीय संतुष्टि = 50.78 %.

viii) अन्य महत्वपूर्ण इमारतों और संरचनाओं जैसे कार्यशालाओं, कार्यालयों, स्टेशनों आदि जिनका प्लिन्थ एरिया लगभग 1148164 व.मी. है.

रेलवे नेटवर्क

ट्रैक आंकड़े (स्थिति : 31.03.2012)

पश्चिम मध्य रेल, 2964.84 रूट कि.मी. के लंबाई वाला भारतीय रेलवे का ज़ोन है. इस रेलवे का सम्पूर्ण रेलवे नेटवर्क केवल बड़ी लाईन है. 31 मार्च, 2012 को नेटवर्क का आकार आमान-वार तथा क्षेत्र-वार इस प्रकार है :-

वर्ष	कुल रूट कि.मी.		चालित ट्रैक कि.मी.		कुल ट्रैक कि.मी.	
	विद्युतीकृत	कुल	विद्युतीकृत	कुल	विद्युतीकृत	कुल
2011-12	1446.99	2964.84	2678.03	4694.18	3451.95	6096.86

बड़ी लाईन

समूह	रूट कि.मी.	चालित कि.मी.	ट्रैक कि.मी.
ए	787.05	1567.80	2178.76
बी	699.82	1379.98	1755.88
सी	-	-	-
डी (विशेष)	419.06	686.80	878.18
डी	317.28	317.28	409.67

ई	741.59	742.28	875.47
कुल	2964.80	4694.14	6097.97

क्षेत्र-वार रूट / चालित / ट्रैक / कि.मी. :-

राज्य	बड़ी लाईन			विद्युतिकृत बड़ी लाईन		
	रूट कि.मी.	चालित कि.मी.	ट्रैक कि.मी.	रूट कि.मी.	चालित कि.मी.	ट्रैक कि.मी.
मध्य प्रदेश	2179.36	3437.66	4339.76	994.46	1822.20	2248.84
उत्तर प्रदेश	53.72	103.67	117.00	18.05	36.10	41.85
राजस्थान	731.72	1152.81	1641.20	573.19	994.44	1366.41
कुल	2964.80	4694.14	6097.96	1585.70	2852.74	3657.10

मण्डलानुसार रूट / चालित / ट्रैक कि.मी. :-

मण्डल	बड़ी लाईन			विद्युतिकृत बड़ी लाईन		
	रूट कि.मी.	चालित कि.मी.	ट्रैक कि.मी.	रूट कि.मी.	चालित कि.मी.	ट्रैक कि.मी.
जबलपुर	1082.92	1844.55	2373.43	272.84	537.41	689.12
भोपाल	1012.06	1434.99	1799.05	601.57	1023.26	1317.29
कोटा	869.82	1414.60	1925.48	711.29	1256.07	1650.69
कुल	2964.80	4694.14	6097.96	1585.70	2852.74	3657.10

पुल :

क्र. सं.	पुल प्रकार	वाटर-वे मीटर में			
		बड़ी लाईन	मीटर गेज लाईन	नेरो गेज लाईन	कुल
1	महत्वपूर्ण पुल	24,512	0	0	24,512
2	बड़े पुल	15,611	0	0	15,611
3	छोटे पुल	20,139	0	0	20,139
4	कुल	60,262	0	0	60,262

समपार :

क्र. सं.	समपारों का वर्गीकरण	समपारों की संख्या
1	स्पेशल क्लास	109
2	A - क्लास	46
3	B - क्लास	96
4	C - क्लास / मानव-सहित	602

क्र. सं.	समपारों का वर्गीकरण	समपारों की संख्या
5	C - क्लास / मानव-रहित	228
6	केनाल / मानव-सहित	4
7	केनाल / मानव-रहित	54
	कुल	1139

कंक्रीट स्लीपर का उत्पादन :

पश्चिम मध्य रेल पर तीन कंक्रीट स्लीपर प्लांट स्थित है. जबलपुर मण्डल में बनखेड़ी, भोपाल मण्डल में बरेठ तथा कोटा मण्डल में शामगढ़ स्थित ये कंक्रीट स्लीपर प्लांट प.म. रेलवे को मेन लाईन तथा टर्न आउट हेतु कंक्रीट स्लीपर की आपूर्ति करते है. वर्ष 2011-12 में कंक्रीट स्लीपर का उत्पादन निम्न प्रकार से है :-

60 कि.ग्रा. मेन लाईन स्लीपर	60 कि.ग्रा. कर्व हेतु स्लीपर	टर्न आउट स्लीपर 1 in 12	टर्न आउट स्लीपर 1 in 8.5	डिरेलिंग स्विच स्लीपर सेट	पुल अप्प्रोच स्लीपर सेट	मेन लाईन स्लीपर के समतुल्य कुल उत्पादन
369670	0	23	288	0	0	396051